तेजयुग न्यूज़ हिंदी दैनिक खेल
www.tejyug.com
epaper.tejyug.com

भारतीय मुक्केबाजी के एचपीडी डुने ने दिया इस्तीफा, विदेशी कोच होंगे बर्खास्त

ओलंपिक क्वालीफायर में भारतीय मुक्केबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पेरिस खेलों से चार महीने पहले हाई परफार्मेंस निदेशक (एचपीडी) बर्नार्ड डुने ने इस्तीफा दे दिया है जबकि विदेशी कोच दिमित्री दिमित्रुक को जल्द ही पद से हटाये जाने की संभावना है। आयरलैंड के पूर्व मुक्केबाज डुने को अक्टूबर 2022 में एचपीडी के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने इटली से अपना इस्तीफा भेज दिया, जहां वह पहले विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम के साथ थे। दो क्वालिफिकेशन स्पर्धाओं (एशियाई खेलों और पहले विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर) के बाद एक भी भारतीय पुरुष मुक्केबाज ओलंपिक के लिए जगह पक्की नहीं कर पाया है।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने स्थिति का आकलन करने के लिए शुक्रवार को कार्यकारी समिति की बैठक बुलाई है। बीएफआई के महासचिव हेमंत कलिता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''बर्नार्ड अब टीम के साथ नहीं है। हमने कल एक कार्यकारी बैठक बुलाई है, जहां हम हर चीज का आकलन करेंगे। कल की बैठक में दिमित्री के भविष्य पर भी फैसला लिया जाएगा।''

दिमित्री ने पिछले साल महिला विश्व चैम्पियनशिप से पहले फरवरी में कोच का कार्यभार संभाला था। महासंघ अब पुरुष और महिला टीमों के लिए भारतीय कोच को नियुक्त करने पर विचार कर रहा है, क्योंकि ओलंपिक का आखिरी क्वालीफायर मई में होगा जिसमें दो महीने का समय बचा है। कलिता ने कहा, '' टीम के लिए फिलहाल कोई विदेशी कोच नहीं होगा। हम भारतीय कोचों पर विचार करेंगे।''

इस समय पुरुष टीम के साथ अनुभवी सीए कुट्टप्पा कोचिंग सदस्यों में एकमात्र भारतीय हैं। पिछले साल जून में भास्कर भट्ट ने महिला टीम का साथ छोड़ दिया। भारतीय मुक्केबाजों ने हाल ही में इटली विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी के पहले क्वालीफायर में निराशाजनक प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता से सभी नौ मुक्केबाज खाली हाथ लौटे। इसमें निशांत देव (71 किग्रा) कोटा हासिल करने से एक जीत दूर थे लेकिन अन्य मुक्केबाज शुरुआती चरणों में हार कर बाहर हो गये थे।

भारत के लिए अभी तक चार महिला मुक्केबाजों ने ओलंपिक कोटा हासिल किये है। इसमें दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (50 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा), परवीन हुडा (57 किग्रा) और तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) शामिल है। भारतीय मुक्केबाजों के पास ओलंपिक टिकट हासिल करने का आखिरी मौका विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी के दूसरे क्वालीफायर में होगा। इसका आयोजन बैंकॉक में 23 मई से होगा। बीएफआई हालांकि इतने कम समय में टीम में चयन के लिए डुने द्वारा तैयार की गयी नीति में कोई बदलाव नहीं करेगा। डुने ने टीम में जगह के लिए चयन ट्रायल की जगह एक लंबे समय तक चलने वाले मूल्यांकन प्रक्रिया को शुरू किया था।

कई अनुभवी मुक्केबाजों ने हालांकि इस प्रक्रिया का विरोध किया था जिसमें विश्व चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघाल (51 किग्रा) सबसे प्रमुख है। इस प्रक्रिया में शिविर में बेहद कम संख्या में मुक्केबाज रहते थे जिससे उन्हें अभ्यास करने में परेशानी का सामना करना पड़ता था।

पंत की कप्तानी पर असमंजस

डीसी सूत्रों ने कहा- मैनेजमेंट के साथ मीटिंग में फैसला; कोओनर ने कहा था- ऋषभ फिट हुए तो कप्तान होंगे

टीम इंडिया के स्टार विकेटकीपर ऋषभ पंत फिट हो गए हैं। उनका इंडियन प्रीमियर लीग में खेलना भी तय हो गया है। हालांकि पंत दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करेंगे या नहीं, इस पर असमंजस है। हेड कोच रिकी पोंटिंग और सौरव गांगुली गुरुवार को विशाखापट्टनम में चल रहे कैंप में टीम के साथ जुड़ गए हैं। टीम मैनेजमेंट के एक सूत्र ने भास्कर को बताया है कि हेड कोच रिकी पोंटिंग की मैनेजमेंट के साथ मीटिंग में पंत की कप्तानी पर फैसला होगा। अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है। एक अन्य सूत्र ने इस बात की पुष्टि करते हुए बताया कि अभी पंत की कप्तानी पर क्लियरिटी नहीं है। इस पर फैसला अगले 4-5 दिनों में हो सकता है।

टीम मालिक ने कहा था, पंत ही कप्तानी करेंगे

दिल्ली टीम के कोओनर पार्थ जिंदल ने कहा था कि ऋषभ पंत अगर फिट हुए तो कप्तान होंगे। आईपीएल का अगला सीजन 22 मार्च से शुरू हो रहा है। दिल्ली कैपिटल्स 23 मार्च को मोहाली में पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी।

2022 में कार दुर्घटना का शिकार हुए थे पंत

पंत साल 2022 के दिसंबर में एक कार दुर्घटना का शिकार होकर गंभीर रूप से घायल हुए थे। तब से वह क्रिकेट से पूरी तरह बाहर हैं। वह 14 महीने के लम्बे रिहैब और रिकवरी प्रोसेस के बाद फिट हुए। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उन्हें एक दिन पहले ही विकेटकीपिंग और बैटिंग करने के लिए फिट घोषित किया।

शाह ने कहा था- विकेटकीपिंग की तो वर्ल्ड कप प्लान का हिस्सा होंगे

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने पंत की वापसी पर कहा था कि वह प्रैक्टिस में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं, अगर आईपीएल में वह विकेटकीपिंग कर सके तो हमारे वर्ल्ड कप प्लान का हिस्सा भी होंगे। देखते हैं कि वह आईपीएल में कैसा प्रदर्शन करते हैं। अगर पंत टी-20 वर्ल्ड कप खेल सकें तो हमारे लिए बहुत बड़ी बात होगी। वह हमारे लिए एक अहम खिलाड़ी हैं।

फ्रेंचाइजी के लिए पंत की कप्तानी अहम क्यों

दिल्ली के लिए पंत की कप्तानी अहम है, क्योंकि उनके बैटिंग, विकेटकीपिंग और कप्तानी करने से फ्रेंचाइजी को कई फायदे होंगे। टीम का मनोबल बढ़ेगा पंत एक बड़े हादसे से फाइटबैक कर आ रहे हैं, अगर वह दिल्ली की कप्तानी करते हैं तो टीम का मनोबल बढ़ेगा। टॉप ऑर्डर को मजबूती देंगे, फिनिश भी कर सकते हैं पंत तेजी से रन बनाते हैं। वह टॉप ऑर्डर को और मजबूती दे सकते हैं या फिर मिडिल-लोअर ऑर्डर में आकर पारी संभाल भी सकते हैं। वह बड़े हिट लगाने में माहिर हैं, ऐसे में टीम में फिनिशर की कमी को भी पूरा कर सकते हैं। स्पॉन्सर और ब्रॉडकास्टर की डिमांड पंत पिछले सीजन इस लीग का हिस्सा नहीं रहे। वह 14 महीने से क्रिकेट से दूर हैं। ऐसे में फैंस उनका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में फ्रेंचाइजी के स्पॉन्सर और ब्रॉडकास्टर्स चाहेंगे कि पंत बैटिंग, विकेटकीपिंग और कप्तानी करते दिखें।

व्हाइट बॉल क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक रूल होगा परमानेंट

अगला ओवर शुरू करने के लिए मिलेंगे 60 सेकेंड; गलती पर 5 रन की पेनल्टी

लिमिटेड ओवर्स क्रिकेट यानी वनडे और टी-20 फॉर्मेट में स्टॉप क्लॉक रूल परमानेंट होने जा रहा है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने फैसला लिया कि दोनों फॉर्मेट में टाइम मैनेज करने के लिए इस रूल को अप्लाय किया जाएगा। स्टॉप क्लॉक रूल में बॉलिंग टीम को पारी का अगला ओवर शुरू करने के लिए 60 सेंकेड का टाइम मिलेगा। ऐसा नहीं करने पर टीम पर पेनल्टी लग जाएगी। आईसीसी के टी-20 वर्ल्ड कप के साथ यह रूल यूनिवर्सल हो जाएगा। यानी सभी तरह के व्हाइट बॉल क्रिकेट में इसे अप्लाय किया जाएगा।

हर तीसरी गलती पर 5 रन की पेनल्टी

फील्ड अंपायर 60 सेकेंड में ओवर शुरू करने के लिए 2 बार वॉर्निंग देगा। तीसरी बार गलती करने के बाद बॉलिंग टीम पर 5 रन की पेनल्टी लग जाएगी। फिर पारी में हर तीसरी गलती पर बॉलिंग टीम पर 5 रन की पेनल्टी लगती जाएगी। यानी एक वनडे पारी में अगर किसी टीम ने 9 बार ओवर शुरू करने में 60 सेकेंड से ज्यादा का समय लिया तो बैटिंग टीम के खाते में 15 रन जुड़ जाएंगे।

थर्ड अंपायर शुरू करेगा टाइमर

ओवर खत्म होने पर मैदान में लगी टीवी स्क्रीन पर 60 सेकेंड का काउंटडाउन शुरू हो जाएगा। थर्ड अंपायर कंट्रोल रूम से इसे शुरू करेगा। 60 सेकेंड का टाइम पार होने पर फील्ड अंपायर फील्डिंग टीम के कप्तान को वॉर्निंग देगा और हर वॉर्निंग का ध्यान भी रखेगा। यह बिलकुल उस तरह होगा, जैसे इन दिन डिआरएस लेने के लिए दोनों ही टीमों को 15 सेकेंड का टाइम मिलता है। अपील होने के बाद थर्ड अंपायर स्टॉप क्लॉक शुरू कर देता है, जो मैदान की स्क्रीन पर नजर आती है। इसी को देखकर खिलाड़ी रिव्यू लेने के बारे में फैसला करते हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप से परमानेंट होगा रूल

आईसीसी ने फैसला किया है कि जून में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के साथ स्टॉप क्लॉक रूल परमानेंट हो जाएगा। अगर बैटर या डिआरएस के कारण ओवर शुरू

करने में देरी हुई तो अंपायर के पास स्टॉप क्लॉक को रोकने का अधिकार भी होगा, ताकि फील्डिंग टीम पर बगैर गलती के पेनल्टी न लगे।

दिसंबर में शुरू किया था टी-20 फॉर्मेट में ट्रायल

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने दिसंबर 2023 में स्टॉप क्लॉक रूल का ट्रायल शुरू किया था। तब इसे टी-20 फॉर्मेट में ही अप्लाय किया गया। वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने इस रूल के साथ पहला मैच खेला। इस साल के अप्रैल तक रूल का ट्रायल होना था, लेकिन अच्छे नतीजों को देखते हुए आईसीसी ने मार्च से ही इसे परमानेंट करने का फैसला कर लिया। आईसीसी के बोर्ड मेंबर्स इस वक्त दुबई स्थित हेडक्वार्टर में मीटिंग कर रहे हैं। इसी मीटिंग में स्टॉप क्लॉक रूल को परमानेंट बनाने का फैसला किया गया। यह सिर्फ टी-20 ही नहीं, आईसीसी के वनडे फॉर्मेट में भी लागू होगा। दोनों ही फॉर्मेट में टाइम मैनेज करने के लिए इसे लाया गया। टेस्ट क्रिकेट में ओवर रेट पूरा नहीं करने पर टीमों के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में पॉइंट्स काट लिए जाते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के वेन्यू पर चर्चा नहीं

आईसीसी की बोर्ड मीटिंग शुक्रवार को भी होगी। हालांकि, क्रिकबज की रिपोर्ट अनुसार, मीटिंग में 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी के वेन्यू पर डिस्कशन नहीं होगा। टी-20 वर्ल्ड कप खत्म होते ही चैंपियंस ट्रॉफी का मुद्दा गरमाने लग जाएगा, क्योंकि टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान को मिली है और 2 बार की चैंपियन टीम इंडिया ने पॉलिटिकल कारणों के चलते यहां जाने से मना कर दिया है।

भारत के मना करने के बाद ही पिछले एशिया कप को पाकिस्तानी की मेजबानी में श्रीलंका में कराना पड़ा था। भारत ने फाइनल समेत अपने सभी मैच श्रीलंका में ही खेले थे। टीम इंडिया ने टूर्नामेंट जीता भी था, जबकि मेजबान पाकिस्तान फाइनल में भी नहीं पहुंच सका था।.

मानसिक अनुकूलन कोच अप्टन पेरिस ओलंपिक तक भारतीय हॉकी टीम के साथ रहेंगे

हॉकी इंडिया ने पेरिस ओलंपिक में पुरुष राष्ट्रीय टीम की सहायता के लिए दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी मानसिक अनुकूलन कोच (खेल मनोवैज्ञानिक) पैडी अप्टन को नियुक्त किया है। भारत को 2011 क्रिकेट विश्व कप जिताने में भूमिका निभाने वाले अप्टन पेरिस में पुरुष हॉकी टीम के सहयोगी सदस्य का हिस्सा होंगे। वह एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी और एशियाई खेलों में भी इस टीम के साथ थे। भारतीय टीम ने इन दोनों टूर्नामेंटों में स्वर्ण पदक हासिल किया था। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने 'पीटीआई-भाषा' से अप्टन के ओलंपिक तक टीम के साथ रहने की पुष्टि की। फुल्टोन से जब अप्टल की सेवाओं के बारे में पूछे गया तब उन्होंने कहा, '' हमारे पास पैडी अप्टन हैं, वह ऑस्ट्रेलिया में (टेस्ट श्रृंखला के लिए) हमारे साथ रहेंगे। हम उनके अनुभव का उपयोग करेंगे। निश्चित रूप से वह ओलंपिक तक हमारे साथ होंगे।''

फुल्टोन का मानना है कि विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज भारतीय टीम को अभी अपने खेल के चरम पर पहुंचना बाकी है। टीम आने वाले समय में खामियों को दूर करेगी। उन्होंने कहा, ''हमने अभी पूर्णता हासिल नहीं की है। ओलंपिक में हालांकि चार-पांच महीने का समय है। हम अपने शीर्ष पर पहुंचने की कोशिश करेंगे। '' कोच ने कहा, '' कोई भी टीम टूर्नामेंट जीतना चाहती है। यही आदर्श लक्ष्य है लेकिन वास्तविक रूप से हम अब दुनिया में चौथे स्थान पर हैं। क्या इसका मतलब यह है कि 'हम शीर्ष तीन' में जगह नहीं बना पायेंगे, इस खेल की खासियत यही है।''

उन्होंने कहा, ''वास्तव में, हम अभी उस शीर्ष स्तर पर नहीं हैं लेकिन हमारे पास अभी भी समय है।'' ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी श्रृंखला के लिए फुल्टोन टीम में ज्यादा बदलाव करने के पक्ष में नहीं है। उन्होंने कहा, '' अब प्रशिक्षण और अभ्यास के लिए अगले तीन सप्ताह तक भुवनेश्वर में हैं और फिर हम पांच टेस्ट मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएंगे और यह वास्तव में महत्वपूर्ण है। हम बेंगलुरु वापस आ कर प्रो लीग के लिए रवाना होंगे।

उन्होंने कहा, ''हम बस अपना अभ्यास जारी रख रहे हैं, हमारा ध्यान रक्षात्मक रूप से बहुत मजबूत बनने पर है, हमें अपनी गलतियों को कम करने के मामले में सुधार करने की जरूरत है।

श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर थिरिमाने का कार एक्सीडेंट हुआ

खिलाड़ी सुरक्षित, एक साल पहले संन्यास लिया था

कोलंबो।

श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर लाहिरू थिरिमाने का कार एक्सीडेंट हो गया है। वे गुरुवार को अपनी फैमली के साथ मंदिर जा रहे थे, तभी उनकी कार दुर्घटना का शिकार हो गई। 34 साल के थिरिमाने को कोलंबो से 205 किलोमीटर दूर अनुराधापुरा के एक अस्पताल में एडमिट कराया गया है। टॉप ऑर्डर बल्लेबाज थिरिमाने लीजेंड्स क्रिकेट में न्यूयॉर्क स्ट्राइकर्स की ओर से खेल रहे हैं। उनकी फ्रेंचाइजी ने आधिकारिक बयान में कहा- लाहिरू थिरिमाने और उनका परिवार मंदिर जाते समय एक छोटी कार दुर्घटना का शिकार हो गया। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुरुआती जांच के बाद हम पुष्टि कर सकते हैं कि वे सभी सुरक्षित और स्वस्थ हैं। चिंता की कोई बात नहीं है। थिरिमाने साल 2014 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली श्रीलंकाई टीम का हिस्सा थे। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ सेमीफाइनल में 44 रनों की अहम पारी खेली थी। उन्होंने पिछले साल 2023 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था। उन्हें भारत में खेले गए वनडे वर्ल्ड कप के लिए श्रीलंकाई टीम में नहीं चुना गया था।

बड़ी गाड़ी से टकराई थिरिमानी की कार, बुरी तरह क्षतिग्रस्त

पुलिस के अनुसार- थिरिमाने जिस कार से यात्रा कर रहे थे उसकी दूसरी दिशा से आ रही एक बड़ी गाड़ी से टक्कर हो गई। यह दुर्घटना सुबह सात बजकर 45 मिनट पर हुई। दोनों वाहनों की भिड़ंत इतनी तेज थी कि क्रिकेटर की कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

श्रीलंका को एशियन गेम्स का गोल्ड जिता चुके हैं थिरिमाने

थिरिमाने श्रीलंका को 2014 के एशियन गेम्स में श्रीलंका को गोल्ड मेडल जिता चुके हैं। उन्होंने श्रीलंका की तरफ से 44 टेस्ट, 127 वनडे और 26 टी-20 इंटरनेशनल खेले हैं। उन्होंने श्रीलंका की तरफ से आखिरी मैच 2022 में खेला था।

विराट कोहली को हर हाल में खेलना चाहिए टी20 वर्ल्ड कप 2024, पूर्व चयनकर्ता ने आलोचकों को जमकर लगाई लताड़

नई दिल्ली।

भारतीय टीम के पूर्व चयनकर्ता कृष श्रीकांत ने उन अफवाहों को बकवास करार दिया है, जिसमें कहा जा रहा है कि विराट कोहली को आगामी टी20 वर्ल्ड कप में राष्ट्रीय टीम से बाहर रखना चाहिए। श्रीकांत ने कहा कि अगर भारतीय टीम को टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीतना है तो विराट कोहली का होना जरूरी है।

बता दें कि टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आयोजन जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज की संयुक्त मेजबानी में होगा। विराट कोहली ने जनवरी में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज में हिस्सा लिया था। यह टी20 वर्ल्ड कप 2022 के सेमीफाइनल के बाद पहला मौका था, जब कोहली फटाफट प्रारूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नजर आए थे।

कोहली ने दिखाए इरादे

अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली चयनकर्ता समिति ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी कराई थी। इस तरह चयनकर्ता समिति ने संकेत दिए थे कि इन दोनों दिग्गजों के लिए टी20 वर्ल्ड कप के दरवाजे खुले हैं। कोहली ने टी20 इंटरनेशनल सीरीज में अपने इरादे साफ कर दिए थे। उन्होंने दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में 16 गेंदों में 29 रन बनाए और फिर तीसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में आक्रामक खेलने की फिराक में अपना विकेट गंवा बैठे। इसके बाद भारतीय बल्लेबाज ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से ब्रेक लिया। अब कोहली आईपीएल 2024 के जरिये प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगे।

श्रीकांत ने निकाली भड़ास

इस बीच एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि सीनियर चयन समिति विचार कर रही है कि विराट कोहली का सेलेक्शन टी20 वर्ल्ड कप के लिए नहीं किया जाए। तब श्रीकांत ने अपने यूट्यूब शो पर बड़ी बात कही। कोई चांस नहीं। टी20 वर्ल्ड कप में विराट कोहली के बिना संभव नहीं। वो हैं, जिन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2022 के सेमीफाइनल में हमें पहुंचाया। वो प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट थे। ऐसी बातें कौन बोल रहा है ये अफवाहें फैलाने वाले लोग, इनके पास कोई अन्य काम नहीं है क्या इन सब बातों का क्या आधार है अगर भारत को वर्ल्ड कप जीतना है तो विराट कोहली का स्क्वाड में होना जरूरी है।

विराट के लिए जीतो कप

टी20 क्रिकेट में विराट कोहली के स्ट्राइक रेट को लेकर काफी चिंता जताई गई। हालांकि, पूर्व भारतीय कप्तान ने अपने बल्ले से सबको खामोश किया। टी20 वर्ल्ड कप 2022 में कोहली ने 6 मैचों में 296 रन बनाए थे। वो सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के इतिहास की सबसे शानदार पारियों में से एक खेली थी।

पीवी सिंधू इंग्लैंड ओपन से हुई बाहर, वर्ल्ड नंबर वन यंग से सातवीं बार हारी

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू को ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप में गुरुवार को यहां महिला एकल के दूसरे दौर में अपनी प्रतिद्वंदी कोरिया की एन से यंग से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू मैच के दौरान एक समय अच्छी लय में दिख रही थीं और उन्होंने शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी के खिलाफ कड़ा संघर्ष किया, लेकिन वह अपनी गलतियों पर अंकुश लगाने में असफल रहीं और 42 मिनट तक चले मुकाबले को 19-21, 11-21 से हार गई।

पिछले साल महिला एकल विश्व चैम्पियनशिप जीतने वाली कोरिया की पहली खिलाड़ी बनी यंग के खिलाफ सिंधू की यह लगातार सातवीं हार है। सिंधू ने हाल ही में चोट से वापसी की है जबकि कोरिया की खिलाड़ी ने इस सत्र में मलेशिया और फ्रांस ओपन के खिताब अपने नाम किये हैं। सिंधू ने 22 साल की खिलाड़ी के खिलाफ आक्रामक रूख अपनाने की कोशिश की लेकिन यंग ने अपनी रैलियों की गति और स्मैश का शानदार इस्तेमाल कर मैच अपने नाम किया। सिंधू ने पहले गेम में प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी लेकिन दूसरे गेम में वह लगातार गलती करती रही। सिंधू शुरुआती गेम में 4-1 से आगे थी।

यंग ने इस समय ज्यादा प्रयास किये बिना सिंधू के गलती करने का इंतजार किया। भारतीय खिलाड़ी की गलतियों का फायदा उठाकर उन्होंने 9-6 की बढ़त बनायी। सिंधू इसके बाद शटल को नेट पर खेल गयी जिससे यंग की बढ़त 11-8 हो गयी। सिंधू ने आक्रामक खेल जारी रखा और उन्हें इसका फायदा भी मिला। वह वापसी कर स्कोर को 16-17 और फिर 19-20 करने में सफल रही। यंग इसके बाद बैकहैंड का शानदार इस्तेमाल कर शटल को सिंधू के सिर के ऊपर से बैकलाइन के अंदर गिरा कर पहला गेम जीत गयी। यंग ने दूसरे गेम की शुरूआत से दबदबा बनाना शुरू किया। उन्होंने तीन अंक की बढ़त के साथ शानदार शुरूआत की और इसके बाद क्रास कोर्ट स्मैश के साथ स्कोर को 9-4 करने में सफल रही। सिंधू ने इस बीच निराशा में अपना वीडियो रेफरल बर्बाद किया। उनका बैकहैंड और फोरहैंड रिटर्न लगातार नेट से टकरा रहा था। कोरियाई खिलाड़ी ने नौ मैच प्वाइंट हासिल किये और एक शानदार रिटर्न के साथ मैच अपने नाम कर लिया।